RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : गुरुवार 10 जुलाई 2025 वर्ष 07 अंक 82 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
# रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

## मुंबई : कैंटीन वाले पर थप्पड़ बरसाने के बाद MLA संजय गायकवाड़ का वीडियो वायरल.....

Page - 2

# महाराष्ट्र : नंदुरबार जिले में अवैध चर्च निर्माण का मामला...

## सरकार ने दिए उच्चस्तरीय जांच के आदेश

**महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले में अवैध चर्च निर्माण और जनजातीय समुदाय के धर्मांतरण के गंभीर मुद्दे पर सख्त रुख अपनाते हुए राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए. विधानसभा में विधायक गोपीचंद पडलकर और अनुप अग्रवाल द्वारा उठाए गए सवाल के जवाब में बावनकुले ने कहा कि सरकार आदिवासी समुदाय की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है.**

### नंदुरबार जिला अनुसूचित क्षेत्र घोषित

नंदुरबार जिला भारतीय संविधान की पांचवीं अनुसूची के तहत अनुसूचित क्षेत्र के रूप में घोषित है. इसका उद्देश्य भील और पावरा जनजातियों के हितों की रक्षा करना है. हालांकि, विधायक गोपीचंद पडलकर ने विधानसभा में कहा कि विशेष रूप से नवापुर तहसील में ईसाई मिशनरियों और धर्मांतरित व्यक्तियों द्वारा आदिवासी और गैर-आदिवासी लोगों को प्रलोभन और लालच देकर धर्मांतरण के लिए प्रेरित किया जा रहा है. इससे उनकी सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान खतरे में पड़ रही है. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि गांव और सरकारी जमीनों पर 150 से अधिक अवैध चर्च बिना ग्राम पंचायत या गृह विभाग की अनुमति के बनाए गए हैं.

### बिना अनुमति बने चर्चों को हटाया जाएगा- मंत्री

इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए राजस्व मंत्री बावनकुले ने कहा, ''नंदुरबार जिले में अवैध चर्च निर्माण पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी. 5 मई 2011 और 7 मई 2018 के सरकारी आदेशों के अनुसार बिना अनुमति बने चर्चों को हटाया जाएगा.''

### धर्मांतरण के खिलाफ कानूनों का अध्ययन किया जाएगा- मंत्री

इसके साथ ही उन्होंने यह भी घोषणा की कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ चर्चा की जाएगी. धर्मांतरण के खिलाफ कठोर कानूनों का अध्ययन किया जाएगा. एक उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए गए हैं और सभी अवैध धार्मिक संरचनाओं का सर्वेक्षण छह महीने के भीतर पूरा किया जाएगा. बवनकुले ने स्पष्ट किया कि कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के आदेशों और नियमों के अनुसार की जाएगी. इसके साथ ही धर्मांतरण के मामलों का गहन अध्ययन किया जाएगा ताकि सख्त कानून लागू करने पर विचार किया जा सके.

# केंद्रीय मंत्री आठवले बोले :

## राज ठाकरे की गुंडागर्दी का यूपी के योगी जैसे जवाब दें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री

**महाराष्ट्र :** रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया आठवले के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री रामदास आठवले ने बुधवार को कहा कि मुंबई विविधता और एकता का शहर हैं। हमें मराठी भाषा पर गर्व है और होना भी चाहिए, लेकिन किसी को भी भाषा या प्रांत के नाम पर थप्पड़ मारने का अधिकार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यूपी में जैसे योगी आदित्यनाथ गुंडागर्दी करने वालों का जवाब देते हैं, ठीक उसी प्रकार महाराष्ट्र के सीएम को भी राज ठाकरे जैसे लोगों को गुंडागर्दी करने पर देना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री सर्किट हाउस में पत्रकारों के साथ बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उत्तर भारतीयों के साथ आरपीआई खड़ी है। बाबा साहेब आंबेडकर के विजन को यूपी में विस्तार देने का कार्य कर रहीं है।

केवल राजनीति नहीं बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और शिक्षा के मूल अधिकारों को लेकर आरपीआई सक्रिय हैं। बाबा साहब का सपना था कि एक ऐसा भारत जहां हर वर्ग को बराबरी का अधिकार मिले। पवन भाई गुप्ता के नेतृत्व में लगातार यूपी संगठन का विस्तार किया जा रहा है। गांव मजदूर, दलित, पिछड़े, किसान, युवाओं और समाज के अंतिम व्यक्ति का तेजी से जनसमर्थन जुटा रहीं हैं। यह वादे नहीं, बाबा साहेब आंबेडकर के विचारों पर आधारित परिवर्तन का रास्ता हैं।

# मुंबई में डॉक्टर ने अटल सेतु से समुद्र में छलांग लगाकर दे दी जान,

## सुसाइड से पहले घर पर फोन कर कही थी ये बात...

**नवी मुंबईः** नवी मुंबई के कलंबोली में रहने वाले और मुंबई के जे.जे. अस्पताल में काम करने वाले डॉक्टर ओमकार भागवत कवितके ने सोमवार रात करीब साढ़े 9 बजे अटल सेतु से कूदकर जान दे दी। पुल पर मिली वस्तुओं के आधार पर डॉक्टर की पहचान की गई है हालांकि कई घंटों तक चली छानबीन के बाद भी डॉक्टर की डेड बॉडी नहीं खोजी जा सकी। पुलिस और समुद्री सुरक्षा विभाग की टीम ध्रुवतारा नाव का उपयोग कर उनकी तलाश कर रही है। पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर मामले की जांच भी शुरू कर दी है।

### राहगीर ने पुलिस को फोन कर दी जानकारी

जानकारी के मुताबिक, रात करीब 9 बजकर 43 मिनट पर अटल सेतु नियंत्रण कक्ष को एक राहगीर ने फोन कर बताया कि मुंबई की तरफ जाने वाली लाइन पर किसी व्यक्ति ने अपनी गाड़ी खड़ी कर समुद्र में छलांग लगा दी है। सूचना के बाद पुलिस की टीम वहां पहुंची तो वहां कार मिली। जिसमें एक आईफोन मिला, मोबाइल फोन से संपर्क करने के बाद डॉक्टर की पहचान हो सकी। उसके बाद पुलिस ने डॉक्टर ओमकार के परिवार वालों को घटना की जानकारी दी। जानकारी के बाद परिजन पुलिस स्टेशन पहुंचे और उनकी बहन कविता ने गुमशुदगी का मामला दर्ज करवाया।

पुलिस ने बताया कि ओमकार कवितके को मुंबई लाइन पर अपनी गाड़ी खड़ी कर समुद्र में छलांग लगाते हुए वहां से गुजर रहे दूसरे व्यक्ति ने देखा था और उसने पुलिस को सूचना दी।

# नागपुर में भारी बारिश से 71 गांवों का संपर्क टूटा,

## एक युवक की मौत; 1 अन्य बाढ़ से बहा

**महाराष्ट्र :** महाराष्ट्र के नागपुर जिले में बुधवार को भारी बारिश हुई। इस वजह 71 गांवों का संपर्क टूट गया है। वहीं, एक लड़के की मौत और एक अन्य व्यक्ति की बाढ़ में बहने की खबर है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने नागपुर और वर्धा जिलों के लिए 'रेड' अलर्ट, अमरावती और यवतमाल के लिए 'ऑरेंज' अलर्ट और विदर्भ क्षेत्र के अन्य जिलों जैसे अकोला, वाशिम, बुलढाणा, चंद्रपुर, भंडारा और गोंदिया के लिए 'येलो' अलर्ट जारी किया है।

अधिकारी ने बताया कि नागपुर जिले के मुख्यालय से करीब 40 किमी दूर कलमेश्वर तहसील के

बोरगांव गांव के निवासी अनिल हनुमंत पानपाटे (35 वर्षीय) सुबह करीब साढ़े सात बजे एक बड़े नाले में बह गए। पानपाटे को खोजने का प्रयास जारी है। वहीं, सुबह करीब चार बजे कार्तिक शिवशंकर लाडसे (18 वर्षीय) उप्पलवाडी में एक भरे हुए नाले में गिर गए, जो यहां से लगभग 30 किमी दूर है। उनका शव बाद में बरामद किया गया।

पुलिस अधीक्षक हर्ष पोद्दार के मुताबिक, भारी बारिश के कारण नागपुर के ग्रामीण इलाके में 71 गांवों का संपर्क टूट गया है। प्रभावित इलाकों में फंसे लोगों को बचाने के लिए राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की मदद से बचाव अभियान जारी है। अधिकारी ने कहा, आईएमडी के रेड अलर्ट के बाद नागपुर जिला प्रशासन ने सभी स्कूलों और कॉलेजों के लिए बुधवार को छुट्टी घोषित कर दी थी। आईएमडी ने बुधवार को भारी बारिश की भविष्यवाणी की थी। जिला सूचना कार्यालय के मुताबिक, नागपुर में भारी बारिश के कारण नाले और नदियां उफान पर होने से राज्य के राजमार्गों को भी यातायात के लिए बंद कर दिया गया है।

दैनिक रोकठोक लेखनी खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : गुरुवार 10 जुलाई 2025





## संपादकीय...



फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

### राजनीतिक दुर्भावना का निशाना बनी हिंदी...

संकीर्ण राजनीति जनहित तथा राष्ट्रहित के बजाय तुच्छ स्वार्थ से संचालित होती है। ऐसी राजनीति करने वाले नेता वास्तविक मुद्दों के बजाय जाति, क्षेत्र और भाषा के छद्म मुद्दों पर जनता को बरगलाते हैं, जिसमें स्वार्थ प्रथम और जनहित या राष्ट्र अंतिम होता है। ऐसी ही राजनीति इन दिनों महाराष्ट्र में हिंदी विरोध के नाम पर देखी जा रही है। कथित भाषा को लेकर हो रही यह राजनीति राष्ट्रहित में तो नहीं ही है, बल्कि ह्यमराठी मानुषह्न के लिए भी हितकारी नहीं है। यह हालिया विवाद राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत कक्षा पांच तक के लिए तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को अनिवार्य बनाने के राज्य सरकार के फैसले से शुरू हुआ। हालांकि विरोध के बाद हिंदी को वैकल्पिक कर दिया गया, लेकिन अपना सियासी वजूद गंवा रहे उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने इसमें तमिलनाडु या कर्नाटक की तर्ज पर एक मौका देखा।

यूबीटी और मनसे ने मिथ्या आरोप लगाया कि सरकार मराठियों पर हिंदी थोप रही है। हिंदी के इस विरोध के पीछे विशुद्ध राजनीतिक स्वार्थ दिखता है, जिसकी अभिव्यक्ति उस मंच पर दिखी जब दशकों तक एक दूसरे के विरोधी रहे उद्धव और राज ठाकरे एक साथ आ गए। साफ है कि बीएमसी सहित आगामी निकाय चुनाव से पहले अपना राजनीतिक अस्तित्व बचाने के लिए ये नेता हिंदी विरोध को आखिरी दांव के रूप में आजमा रहे हैं। हिंदी एवं उत्तर भारतीयों का विरोध करने वाले इन नेताओं को जानना चाहिए कि मराठी अस्मिता के दो सबसे प्रखर प्रतीक छत्रपति शिवाजी और उनके पुत्र छत्रपति संभाजीराजे का हिंदी और हिंदी क्षेत्र के लोगों से क्या संबंध था। जब औरंगजेब ने 1666 में शिवाजी को आगरा में धोखे से नजरबंद कर लिया, तब टोकरियों में छिपकर भगाने में स्थानीय हिंदी पट्टी के लोगों की अहम भूमिका रही। यही नहीं, शिवाजी ने 1674 में अपने राज्याभिषेक के लिए काशी यानी हिंदी क्षेत्र के ही पुरोहितों को बुलाया था। शिवाजी के पुत्र संभाजीराजे का भी हिंदी वालों से गहरा नाता था। इतिहासकार जदुनाथ सरकार ह्यशिवाजी एंड हिज टाइम्सह्न पुस्तक में बताते हैं कि संभाजीराजे हिंदी के अच्छे विद्वान थे। उन्होंने हिंदी भाषा में ह्यसातशतकह्न, ह्यनखशिखाह्न और ह्यनायिकाभेदह्न नामक तीन पुस्तकें भी लिखीं। मराठा इतिहास के एक महत्वपूर्ण स्रोत ह्यमराठी बखरोंह्न के अनुसार काशी, प्रयाग, मथुरा आदि से उनका आत्मीय संपर्क रहा, जहां से विद्वानों-कलाकारों को वे बुलाते थे। स्वाधीनता आंदोलन के दौरान अंग्रेजों के खिलाफ हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में एक अस्त्र बनाने का विचार महाराष्ट्र के ही एक सपूत ने दिया था। 1864 में महाराष्ट्र के श्रीमान पेंठे ने मराठी भाषा में ह्यराष्ट्रभाषाह्न नामक पुस्तक में लिखा कि आज देश की एकता के लिए एक भाषा की जरूरत है और वह भाषा हिंदी ही हो सकती है।

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok




# मुंबई : कैंटीन वाले पर थप्पड़ बरसाने के बाद MLA संजय गायकवाड़ का वीडियो वायरल...



**मुंबई :** शिवसेना MLA संजय गायकवाड़ का एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में वो मुंबई के MLA हॉस्टल में एक कैंटीन कर्मचारी को मारते हुए दिख रहे हैं। इस घटना से नया विवाद शुरू हो गया है। शिवसेना की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने यह वीडियो शेयर किया है। वीडियो में गायकवाड़ कैंटीन कर्मचारी को कथित तौर पर बासी खाना परोसने के लिए मुक्का मारते हुए दिखाई दे रहे हैं। चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'मिलिए शाह सेना के MLA संजय गायकवाड़ से। पिछले साल, उन्होंने राहुल गांधी की जीभ काटने वाले को 11 लाख रुपये देने की घोषणा की थी। अब ये एक गरीब, बेबस कैंटीन कर्मचारी को पीट रहे हैं। लेकिन रुकिए-यहां कोई ळश न्यूज चैनल हंगामा नहीं करेगा क्योंकि वो इखढ के सहयोगी हैं।'

**संजय गायकवाड बोले- कोई पछतावा नहीं**

इस बीच, गायकवाड़ ने कहा कि उन्हें इस घटना पर कोई पछतावा नहीं है और अगर कोई लोकतांत्रिक भाषा नहीं समझता है तो वो इसे दोहराएंगे। गायकवाड़ ने कहा, 'यहां पूरे राज्य से लोग आते हैं, कर्मचारी, अधिकारी, सभी लोग खाना खाने आते हैं। यह एक सरकारी कैंटीन है इसलिए यहां खाने की क्वॉलिटी अच्छी होनी चाहिए। मैंने किया उस पर मुझे कोई पछतावा नहीं है। मैं एक जन प्रतिनिधि हूं।' संजय गायकवाड ने आगे कहा, 'जब कोई लोकतांत्रिक भाषा नहीं समझता है तो मुझे यही भाषा इस्तेमाल करनी पड़ती है। मैंने उसे यह देखकर नहीं पीटा कि वो मराठी बोलता है या हिंदी। मैंने संबंधित अधिकारियों से कई बार शिकायत की थी। मैं इसे दोहराऊंगा।'

**'मुझे दाल खाकर उल्टी हो गई'**

गायकवाड ने कहा, 'मैं हमेशा घर पर ही खाता हूं। मैंने अपने कमरे में दाल और चावल मंगवाए थे। मैंने थोड़ा सा खाया और मुझे बुरा लगा। जब मैंने दूसरा निवाला खाया, तो मुझे उल्टी हो गई। मैंने कैंटीन के कर्मचारियों से इस बारे में बात की। उन्होंने माना कि खाना खाने लायक नहीं था।' गायकवाड़ ने अपने कार्यों को सही ठहराते हुए कहा, 'वे बासी खाना परोसकर लोगों की जान से खेल रहे हैं।' उन्होंने बालासाहेब ठाकरे की शिक्षाओं का हवाला दिया। उन्होंने यह भी कहा, 'मैं एक MLA हूं, लेकिन मैं एक फाइटर भी हूं।' गायकवाड़ ने यह भी आरोप लगाया कि कैंटीन के ठेकेदार का इतिहास खराब गुणवत्ता वाला खाना परोसने का रहा है। उन्होंने दावा किया, 'वे चार दिन पुरानी दाल और 10 दिन पुराना चिकन परोसते हैं। बार-बार शिकायत करने के बावजूद उन्होंने नहीं सुनी, इसलिए मुझे उन्हें अपनी शैली में जवाब देना पड़ा।' उन्होंने कहा कि वे इस मुद्दे को ऋ़ॠअ अधिकारियों और विधानसभा में भी उठाएंगे।

बुलढाणा के MLA गायकवाड़ पहली बार विवादों में नहीं आए हैं। पिछले हफ्ते ही, हिंदी को थोपने के मुद्दे पर उन्होंने एक बहस छेड़ दी थी। उन्होंने सवाल किया था कि क्या छत्रपति शिवाजी महाराज और अन्य लोग बेवकूफ थे जो कई भाषाएं सीखते थे। सितंबर 2024 में उन्होंने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की जीभ काटने वाले को 11 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की थी।

# नागपुर : 12 वर्षीय बच्चा आवारा कुत्ते से बचने की कोशिश में इमारत की छठी मंजिल से गिरकर दर्दनाक मौत!

**नागपुर :** महाराष्ट्र के नागपुर जिले के पवनगांव इलाके में दिल को झकझोर देने वाली घटना घटी। 12 वर्षीय जयेश बोकडे की एक आवारा कुत्ते से बचने की कोशिश में इमारत की छठी मंजिल से गिरकर दर्दनाक मौत हो गई। जयेश अपने दोस्तों के साथ खेलने के बाद घर लौट रहा था। तभी एक आवारा कुत्ता उसे देखकर भौंकने लगा और अचानक उस पर दौड़ पड़ा। कुत्ते से बचने की कोशिश में घबराया हुआ जयेश दौड़ता हुआ पास की देव हाइट्स नामक इमारत में घुस गया।

लेकिन कुत्ता भी जयेश के पीछे-पीछे इमारत के भीतर घुस आया। जयेश डर के मारे इमारत की छठी मंजिल तक भागा और वहां की कॉमन खिड़की के पास छिपने की कोशिश की। मगर कुत्ता वहां भी पहुंच गया और जयेश की ओर झपट पड़ा। इसी घबराहट में जयेश का संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे छठी मंजिल से नीचे गिर गया।

**मौके पर ही मौत**

जयेश के नीचे गिरते ही वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। तुरंत उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कलमना थाने में दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया गया है और जांच की जा रही है। एक अधिकारी ने बताया कि जयेश अपने दोस्त के साथ इमारत की सीढ़ियां चढ़ रहा था। एक आवारा कुत्ते ने उस पर भौंकना शुरू कर दिया, जिससे वह घबरा गया और भागने लगा। इसी दौरान वह छठी मंजिल पर सीढ़ियों के पास एक खिड़की से गिर गया। उसे पास के एक अस्पताल में ले जाया गया जहां उसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इस दर्दनाक हादसे के बाद जयेश के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पूरे इलाके में शोक की लहर फैल गई है। स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम से मांग की है कि शहर में घूमने वाले आवारा कुत्तों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए।

# मुंबई : एएआई के ट्रांसमिशन टावरों को स्थानांतरित कर दिया जाएगा

**मुंबई :** अंधेरी (पश्चिम) में डीएन नगर और गुलमोहर क्षेत्र के निवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, राज्य सरकार ने विधानसभा को सूचित किया कि डीएन नगर में स्थित भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के ट्रांसमिशन टावरों को अगले छह से आठ महीनों के भीतर स्थानांतरित कर दिया जाएगा। यदि निर्धारित समय के भीतर स्थानांतरण नहीं होता है, तो सरकार ने कहा कि वह प्रभावित इमारतों के पुनर्विकास के लिए फ्लोटिंग फ्लोर स्पेस इंडेक्स (एफएसआई) की अनुमति देने के लिए विकास नियंत्रण और संवर्धन विनियम (डीसीपीआर) में संशोधन करने पर सकारात्मक रूप से विचार करेगी। यह आश्वासन भाजपा विधायक अमीत साटम द्वारा लाए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के जवाब में आया, जिन्होंने एएआई के ट्रांसमिशन प्रतिष्ठानों द्वारा लगाए गए ऊंचाई प्रतिबंधों के कारण पुनर्विकास बाधाओं का सामना कर रहे निवासियों की दुर्दशा को उजागर किया। साटम ने कहा, ''इस क्षेत्र में 1970 और 1980 के दशक में बनी पुरानी इमारतें जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं और उन्हें तत्काल पुनर्विकास की आवश्यकता है। हालांकि, एएआई के संचारण स्टेशनों की मौजूदगी के कारण ऊंचाई पर सख्त प्रतिबंध हैं, जिससे पुनर्विकास आर्थिक रूप से अव्यवहारिक हो गया है। अधिकांश निवासी मध्यम वर्गीय मराठी परिवार हैं जो इस देरी के कारण परेशान हैं। अब, सरकार का कहना है कि संचारण स्टेशनों को स्थानांतरित करने के लिए एएआई को दो विकल्प दिए गए हैं और उनके जवाब का इंतजार किया जा रहा है।''

# कल्याण : आरटीओ ने एक निजी स्कूल को नोटिस जारी कर माँगा स्पष्टीकरण

**कल्याण :** कल्याण उप क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) ने एक निजी स्कूल को नोटिस जारी कर अंबरनाथ में एक चलती निजी स्कूल वैन से गिरकर नर्सरी के दो छात्रों के घायल होने की घटना के बाद स्पष्टीकरण माँगा है।

अधिकारियों ने बताया कि स्कूल के प्रधानाचार्य को नोटिस जारी कर सात दिनों के भीतर विस्तृत स्पष्टीकरण देने को कहा गया है। नोटिस में कहा गया है: ''स्कूल बस नीति - महाराष्ट्र मोटर वाहन (स्कूल बसों के लिए विनियम) नियम, 2011, दिनांक 22/03/2011 के अनुसार - स्कूल परिवहन समिति के अध्यक्ष होने के नाते, आप इस मामले में ज़िम्मेदार हैं। आपसे सभी प्रासंगिक जानकारी एकत्र करने और सात दिनों के भीतर इस कार्यालय में विस्तृत स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने की अपेक्षा की जाती है।'' कल्याण के उप आरटीओ आशुतोष बरकुल ने द फ्री प्रेस जर्नल को बताया कि वैन को जब्त कर लिया गया है और ₹14,000 का चालान (जुमार्ना) जारी किया गया है। वाहन का पंजीकरण प्रमाणपत्र निलंबित कर दिया जाएगा तथा चालक का लाइसेंस भी निलंबित कर दिया जाएगा।

# ठाणे में उद्धव ठाकरे का व्यंग्य चित्र वाला बैनर... इलाके में तनाव

**ठाणे:** ठाणे में शिवसेना के कार्यकताओं ने उद्धव ठाकरे का एक व्यंग्य चित्र वाला बैनर लगाया। इससे इलाके में तनाव फैल गया। यह बैनर टेंभी नाका पर लगाया गया था। ठाकरे बंधुओं के 'हिंदी शक्ति' पर 'विजय रैली' करने के बाद शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) आक्रामक हो गई। ठाणे महानगर पालिका के अतिक्रमण विरोधी दस्ते और पुलिस ने मिलकर इस बैनर को हटाया। इस दौरान शिवसेना कार्यकताओं और पुलिस के बीच झड़प भी हुई। इससे टेंभी नाका पर भारी ट्रैफिक जाम लग गया। वाहन चालक और आम नागरिक परेशान हो गए।

**क्या है विवाद?**

दरअसल, 5 जुलाई को ठाकरे बंधुओं ने मुंबई में एक साथ आकर मराठी मुद्दे पर एकता दिखाई थी। इस रैली में उद्धव ठाकरे ने एकनाथ शिंदे का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधा था। इससे शिवसेना के कार्यकर्ता नाराज हो गए थे। इसलिए शिंदे के इलाके ठाणे के टेंभी नाका पर उद्धव ठाकरे का व्यंग्य चित्र वाला बैनर लगाया गया। बैनर पर लिखा था, 'मराठी माणसाची एकजूट अशीच राहू द्या'। इसका मतलब है, मराठी लोगों की एकता ऐसी ही बनी रहे। बैनर में यह संदेश भी दिया गया कि उद्धव ठाकरे मुंबई पालिका के खजाने और महापौर के पद को ललचाई नजरों से देख रहे हैं'

**शिवसेना का हंगामा**

टेंभी नाका शिवसेना शाखा के प्रमुख निखिल बुडजडे और युवा सेना के नितिन लांडगे, ऋषिकेश माने, जितेश गुप्ता ने यह बैनर लगाया था। पुलिस और ठाणे पालिका की टीम तुरंत बैनर हटाने के लिए पहुंची। शिवसेना और युवा सेना के कार्यकर्ता भी टेंभी नाका पर जमा हो गए। उन्होंने कहा कि वे किसी भी कीमत पर बैनर को हटाने नहीं देंगे। इससे वहां पर बहुत हंगामा हुआ। शिवसेना के ठाणे विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख हेमंत पवार भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने बैनर हटाने का विरोध किया।

**टेंभी नाका इलाके में ट्रैफिक जाम**

इस वजह से टेंभी नाका इलाके में बहुत ज्यादा ट्रैफिक जाम हो गया। बुडजडे ने कहा कि उन्होंने आम लोगों के सामने सच्चाई लाने के लिए बैनर लगाया था। इससे विरोधियों को परेशानी हो रही है। बैनर पर राज ठाकरे का कोई जिक्र नहीं था। इससे कई लोग हैरान थे। युवा सेना के ठाणे लोकसभा अध्यक्ष नितिन लांडगे ने कहा कि राज ठाकरे हमेशा से मराठी लोगों के लिए लड़ते रहे हैं। लेकिन उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे को चुनाव के समय ही मराठी लोगों की याद आती है।

# मुंबई : उच्च पदस्थ पुलिस अधिकारी बताकर व्यवसायी से उसका मोबाइल ठग लिया

**मुंबई :** क्राइम ब्रांच यूनिट 2 ने एक ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार किया है जिसने खुद को एक उच्च पदस्थ पुलिस अधिकारी बताकर क्रॉफर्ड मार्केट के एक 24 वर्षीय व्यवसायी से उसका मोबाइल फोन कथित तौर पर ठग लिया। आरोपी की पहचान संदीप नारायण गोसावी उर्फ संदीप कार्णिक उर्फ दिनेश बोदुलाल दीक्षित के रूप में हुई है और उसे 8 जुलाई को आजाद मैदान पुलिस स्टेशन में दर्ज एक शिकायत के बाद गिरफ्तार किया गया था।

शिकायतकर्ता, नाज़िम कासिम कच्छी, जो क्रॉफर्ड मार्केट के पास साकेबी कलेक्शन नामक एक दुकान के मालिक हैं, ने बताया कि लगभग एक साल पहले, उनकी मुलाकात एक व्यक्ति से हुई जिसने खुद को संदीप कार्णिक बताते हुए खुद को एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी (आईपीएस) बताया। वह व्यक्ति अक्सर उनकी दुकान पर आता-जाता था और पास के मुंबई पुलिस आयुक्त मुख्यालय के कई अधिकारी उसे पहचानते भी थे, जिससे शिकायतकर्ता का भरोसा और मजबूत हो गया।

5 जून को, जालसाज कच्छी से मिलने आया और दावा किया कि वह अपना फोन नागपुर में एक कार में भूल गया है। उसने अस्थायी इस्तेमाल के लिए कच्छी का सैमसंग अ35 फोन उधार मांगा। उस पर भरोसा करके, कच्छी ने अपना पुराना फोन उसे दे दिया।

हालाँकि, जब उसने बाद में फोन वापस माँगा, तो आरोपी ने टालमटोल की और आखिरकार जवाब देना बंद कर दिया। उसने फोन के लिए ₹14,000 देने का झूठा वादा भी किया, लेकिन कभी नहीं दिया। धोखाधड़ी का शक होने पर, कच्छी ने पूछताछ की और पता चला कि वह व्यक्ति पुलिस अधिकारी नहीं था और इसी तरह के बहाने से उसने दूसरों को भी ठगा है। 7 जुलाई की देर रात पुलिस कमिश्नरेट के गेट नंबर 5 के बाहर आरे सरिता स्टॉल के पास आरोपी के होने की सूचना मिलने पर, कच्छी ने अपने परिचित पुलिस अधिकारियों को सूचित किया। आरोपी को पकड़कर क्राइम ब्रांच कार्यालय लाया गया, जहाँ उसके पास से कच्छी का चोरी हुआ फोन बरामद किया गया।

# 10 जुलाई को नवनिर्मित सिंदूर फ्लाईओवर का उद्घाटन

**मुंबई :** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस 10 जुलाई को नवनिर्मित सिंदूर फ्लाईओवर का उद्घाटन करने वाले हैं, जिसे पहले कार्नैक के नाम से जाना जाता था। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) की एक विज्ञप्ति के अनुसार, यह पुल पूर्व और पश्चिम दक्षिण मुंबई को जोड़ेगा । इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे , अजित पवार और विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे। मस्जिद बंदर रेलवे स्टेशन से थोड़ी दूरी पर स्थित और पी. डिमेलो रोड से जुड़ने वाला सिंदूर (पूर्व में कारनैक) रेलवे फ्लाईओवर, दक्षिण मुंबई के पूर्व और पश्चिम क्षेत्रों को जोड़ता है , जिससे दो-तरफा यातायात की अनुमति मिलेगी और यात्रियों के लिए एक सुविधाजनक मार्ग उपलब्ध होगा। इस कार्यक्रम में सूचना प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक मामलों के मंत्री तथा मुंबई उपनगरीय जिले के संरक्षक मंत्री आशीष शेलार, कौशल विकास,

रोजगार, उद्यमिता और नवाचार मंत्री तथा मुंबई उपनगरीय जिले के सह-संरक्षक मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, सांसद अरविंद सावंत, विधायक सुनील शिंदे और राजहंस सिंह, मनपा आयुक्त और प्रशासक भूषण गगरानी और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी शामिल होंगे। अतिरिक्त नगर आयुक्त (परियोजनाएं) अभिजीत बांगर के नेतृत्व में, ब्रिज विभाग के इंजीनियरों ने 10 जून, 2025 तक निर्धारित समय पर सिंदूर फ्लाईओवर का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया। यह पुल दक्षिण मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मस्जिद बंदर और मोहम्मद अली रोड क्षेत्रों के आसपास यातायात के लिए महत्वपूर्ण है । 150 साल पुराने कार्नैक पुल को मध्य रेलवे ने असुरक्षित घोषित कर दिया था, जिसके कारण अगस्त 2022 में इसे ध्वस्त कर दिया गया। मस्जिद बंदर क्षेत्र में पूर्व और पश्चिम के बीच संपर्क बनाए रखने के लिए, बीएमसी ने मध्य रेलवे द्वारा अनुमोदित डिजाइन के आधार पर पुल का पुनर्निर्माण किया।

बीएमसी के अनुसार, पुल की कुल लंबाई 328 मीटर (रेलवे सीमा के भीतर 70 मीटर) है। पुल में 550 मीट्रिक टन के दो स्टील के गर्डर हैं, जिनमें से प्रत्येक 70 मीटर लंबा, 26.5 मीटर चौड़ा और 10.8 मीटर ऊंचा है, जो आरसीसी खंभों पर लगे हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है, ''आरसीसी डेक स्लैब, डामरीकरण और दोनों तरफ पहुंच मार्ग जैसे कार्य पूरे हो चुके हैं।

# 'बांद्रा-वर्ली सी लिंक' पर चढ़े सिंगर यासिर देसाई; वायरल होने के बाद केस दर्ज

**मुंबई :** मुंबई की बांद्रा पुलिस ने संगीतकार और गीतकार यासिर देसाई के खिलाफ मामला दर्ज किया है. मुंबई पुलिस ने सिंगर के खिलाफ इठर की धारा 285,281 और 125 के तहत मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है. सिंगर यासर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो है, जहां वह एक गाने की शूटिंग के लिए मुंबई के बांद्रा वर्ली सी लिंक की रेलिंग पर खड़े होकर शूट कर रहे हैं. एफआईआर दर्ज होने के बाद बांद्रा पुलिस जांच में जुट गई है.

वीडियो में सिंगर वर्ली सी लिंक की रेलिंग में खड़े नजर आ रहे हैं. वे पब्लिक सुरक्षा के नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं. यासिर ने अब तक मामले पर कोई रिएक्सन नहीं दिया है. अभी तक पता नहीं है कि वे किस प्रोजेक्ट

के लिए वर्ली-सी लिंक पर शूटिंग कर रहे थे. काम की बात करें, तो सिंगर ने हाल में अपना गाना 'रूठा मेरा इश्क' रिलीज किया था, जिसमें प्यार, दिल टूटने के दर्द को बयां किया गया है. यासिर ने इसे अमोल श्रीवास्तव, अभिषेक टैलेंटेड के साथ मिलकर तैयार किया है.

गाने के बोल कुणाल वर्मा और अभिषेक टैलेंटेड ने लिखे हैं. इसे पर्थ समथान और दिव्या अग्रवाल पर फिल्माया गया है. राजू खान के निर्देशन में बने गाने को खूबसूरती से शूट किया गया है. यासिर ने 'मखना', 'ड्राइव', 'दिल को करारआया', 'सुकून' और 'जोगी' जैसे गाने शूट किए हैं. यासिर ने 'बेईमान लव' से 2016 में प्लेबैक डेब्यू किया था. उन्होंने दो ट्रैक 'मैं अधूरा' 'मेरे पीछे हिंदुस्तान है' को अपनी आवाज दी थी, जिसमें उनका साथ आकांक्षा शर्मा और सुकृति कक्कर ने दिया था.

# मुंबई : मोतीलाल नगर पुनर्विकास परियोजना...

## 142 एकड़ जमीन पर बने घरों को फिर से बनाया जाएगा

**मुंबई :** महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी ने अडानी ग्रुप के साथ एक समझौता किया। यह समझौता गोरेगांव (पश्चिम) में मोतीलाल नगर पुनर्विकास परियोजना के लिए है। इस परियोजना में 142 एकड़ जमीन पर बने घरों को फिर से बनाया जाएगा। लगभग 3,700 लोग यहां रहते हैं। उन्हें 1,600 वर्ग फुट के अल्ट्रा मॉडर्न अपार्टमेंट में फिर से बसाया जाएगा। यह देश का सबसे बड़ा पुनर्विकास प्रोजेक्ट है। इसे कंस्ट्रक्शन-एंड-डेवलपमेंट मॉडल के जरिए पूरा किया जाएगा। कंस्ट्रक्शन-एंड-डेवलपमेंट मॉडल का मतलब है, पहले निर्माण करो और फिर विकास करो।

म्हाडा को डिवेलपर से लगभग 4 लाख वर्ग मीटर का निर्माण क्षेत्र मिलेगा। म्हाडा का कहना है कि इससे भविष्य में उसके पास घरों की संख्या काफी बढ़ जाएगी। यह समझौता महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी के बांद्रा मुख्यालय में हुआ। इस मौके पर महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी के उपाध्यक्ष और सीईओ संजीव जायसवाल और अडानी प्रॉपर्टीज के निदेशक प्रणव अडानी मौजूद थे।

**7 साल में पूरा होगा प्रोजेक्ट**

म्हाडा ने बताया कि मोतीलाल नगर 1, 2 और 3 में 3,700 घर हैं। यहां रहने वाले लोगों को 5.8 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में फिर से बसाया जाएगा। जो लोग यहां किराए पर रहते हैं, उन्हें 987 वर्ग फुट की

कमर्शियल जगह दी जाएगी। इन घरों को लगभग सात साल में पूरा करने का लक्ष्य है।

प्रोजेक्ट प्लान की जानकारी देते हुए, जायसवाल ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को धन्यवाद दिया। एकनाथ शिंदे हाउसिंग मिनिस्टर भी हैं। जायसवाल ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि यह देश का सबसे अच्छा पुनर्विकास प्रोजेक्ट बने। हम पारदर्शिता और क्वालिटी का पूरा ध्यान रखेंगे। इस प्रोजेक्ट के जरिए महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी लोगों को आधुनिक, सुरक्षित और अच्छी तरह से बने घर देगा।

**कुछ लोग विरोध में**

हालांकि, यहां के निवासियों की कुछ संस्थाएं इस समझौते से खुश नहीं हैं। वे 1,600-2,000 वर्ग फुट का कारपेट एरिया मांग रहे थे। मोतीलाल नगर विकास समिति के अध्यक्ष युवराज मोहिते ने कहा कि हम निराश हैं और इस समझौते का विरोध करते हैं। यह फैसला निवासियों से बिना पूछे लिया गया है। हमने मुख्यमंत्री और महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी दोनों को कई बार लिखकर और मिलकर 2,000 वर्ग फुट का कारपेट एरिया मांगा था, लेकिन हमारी बात नहीं सुनी गई। समझौते में 1,600 वर्ग फुट का बिल्ट-अप एरिया लिखा है। हम विरोध करने के लिए सड़कों पर उतर सकते हैं।

**स्पेशल प्रोजेक्ट दिया नाम**

राज्य सरकार ने मोतीलाल नगर पुनर्विकास को 'विशेष प्रोजेक्ट' का नाम दिया है। इसे महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी के मुंबई बोर्ड के जरिए पूरा किया जाएगा। महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी ने कंस्ट्रक्शन-एंड-डेवलपमेंट एजेंसी चुनने के लिए टेंडर निकाले थे। अडानी ग्रुप ने यह टेंडर जीत लिया। इस बीच, राज्य विधान परिषद ने कहा कि कुर्ला में नेहरू नगर और तिलक नगर महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी कॉलोनियों में कई इमारतों को पुनर्विकास के 10-15 साल बाद भी ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट नहीं मिला है। उपनगरों में, कई पुरानी और जर्जर किराए की इमारतें नगरपालिका द्वारा तोड़े जाने के 15 साल बाद भी वैसी ही हालत में हैं।

## मुंबई : जल भंडारण में उल्लेखनीय वृद्धि; क्षमता का 73 प्रतिशत पार

**मुंबई :** जल भंडार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है क्योंकि शहर को आपूर्ति करने वाली झीलों का स्तर बुधवार को उनकी कुल उपयोगी भंडारण क्षमता का 73 प्रतिशत पार कर गया। हाइड्रोलिक इंजीनियर विभाग की सुबह 6:00 बजे जारी रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई महानगर क्षेत्र को पानी की आपूर्ति करने वाली सात झीलों में अब 10.5 लाख मिलियन लीटर से अधिक पानी है, जो मानसून के मौसम के बीच में बहुत जरूरी राहत प्रदान करता है। सबसे उल्लेखनीय विकास मोदक सागर झील से हुआ, जो आज सुबह लगभग 6:27 बजे ओवरफ्लो होने लगी। जवाब में, झील के एक गेट को 1,022 क्यूसेक प्रति सेकंड की निर्वहन दर से अतिरिक्त पानी छोड़ने के लिए एक फुट तक खोला गया था। मोदक सागर अब अपनी पूर्ण भंडारण क्षमता के 99.99 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जो 12,892.5 करोड़ लीटर या 128,925 मिलियन लीटर है।

## मुंबई : संविधान में संशोधन किए जा सकते हैं - मुख्य न्यायाधीश भूषण आर. गवई

**मुंबई :** भारत के संविधान की सुंदरता की प्रशंसा करते हुए, भारत के मुख्य न्यायाधीश भूषण आर. गवई ने कहा कि यह संविधान स्थिर नहीं है, न ही बहुत अधिक केंद्रित है और न ही बहुत अधिक संघीय है, जैसा कि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने कल्पना की थी। राज्य विधानमंडल के सदस्यों को संबोधित करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा, ''चूँकि हम यह अनुमान नहीं लगा सकते कि आने वाली पीढ़ियों के सामने क्या समस्याएँ आएंगी, इसलिए संविधान में संशोधन किए जा सकते हैं।''

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्रियों एकनाथ शिंदे और अजित पवार द्वारा राज्य विधानमंडल की ओर से सम्मानित किए जाने के बाद मुख्य न्यायाधीश ने कहा, ''संविधान की ऐसी विशेषताएँ शांतिकाल या युद्धकाल में राष्ट्र को मजबूत बनाए रखती हैं।'' मुख्य न्यायाधीश ने आंबेडकर के इस कथन को उद्धृत किया कि संविधान को जैविक होना चाहिए और निरंतर विकसित होता रहना चाहिए। गवई ने कहा, ''भारतीय संविधान के तीनों अंग - कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका - डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की इच्छा के अनुसार संविधान के 75 वर्षों के बाद भी अपनी ज़िम्मेदारियों को पूरा करने में सक्षम हैं।'' मुख्य न्यायाधीश ने कहा, ''संविधान कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका को अधिकार देता है और डॉ. अंबेडकर के अनुसार न्यायपालिका को नागरिकों के अधिकारों के प्रहरी और संरक्षक के रूप में काम करना है।''

## मुंबई : 5001 मामलों में 153.25 करोड़ रुपये मूल्य की 28,302 किलोग्राम ड्रग्स जब्त

**मुंबई :** राज्य पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम 1985 के तहत दर्ज 5001 मामलों में 153.25 करोड़ रुपये मूल्य की 28,302 किलोग्राम ड्रग्स जब्त की है, जिसमें 4481 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी राज्य विधानसभा में एक लिखित उत्तर में दी गई। नशीले पदार्थों के व्यापार और प्रसार को नियंत्रित करने के लिए लगभग सभी पुलिस थानों में मादक पदार्थ नियंत्रण के अलग-अलग अनुभाग स्थापित किए गए

हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस उत्तर में बताया कि इस वर्ष मार्च में राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत 346 पदों के साथ एक टास्क फोर्स का भी गठन किया गया है। काशीनाथ दाते, प्रशांत ठाकुर और अन्य द्वारा पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि जून के महीने में स्कूलों, कॉलेजों, रेलवे स्टेशनों और शहरों के प्रमुख स्थानों पर पोस्टर, बैनर और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया गया था।

## मुंबई : 858 सिंचाई परियोजनाओं में से 758 परियोजनाएँ पूरी - गिरीश महाजन

**मुंबई :** महाराष्ट्र के जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन ने कहा है कि विदर्भ क्षेत्र में 758 सिंचाई परियोजनाएँ पूरी हो चुकी हैं और 87 अन्य परियोजनाएँ निमार्णाधीन हैं। मंत्री ने बुधवार को राज्य विधानसभा में एक लिखित उत्तर में बताया कि विदर्भ सिंचाई विकास निगम द्वारा इस क्षेत्र में जून 2024 तक कुल 858 सिंचाई परियोजनाओं में से 758 परियोजनाएँ पूरी कर ली गई हैं।शेष 100 परियोजनाओं में से 13 पर काम शुरू नहीं हो सका क्योंकि वन विभाग की अनुमति सहित प्रशासनिक अनुमोदन पहले ही समाप्त हो चुका था। शेष 87 सिंचाई परियोजनाएँ कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं।उन्होंने यह बात प्रवीण दटके और अन्य के एक प्रश्न के उत्तर में कही।

विदर्भ की कुल 22.31 लाख हेक्टेयर सिंचाई क्षमता में से 14.23 लाख हेक्टेयर भूमि सिंचित हो चुकी है, जो जून 2024 तक 64 प्रतिशत है। वर्तमान में 87 परियोजनाओं का कार्यान्वयन प्रगति पर है, जबकि 12 परियोजनाएँ वन भूमि और अन्य कारणों से लंबित हैं। 87 सिंचाई परियोजनाओं की सिंचाई क्षमता 12.60 लाख हेक्टेयर है, जिसमें से जून 2024 के अंत तक 4.81 लाख हेक्टेयर भूमि सिंचित

हो चुकी है।सूचकांक और बकाया समिति के अनुसार, जून 1994 के अंत तक विदर्भ क्षेत्र के छह जिलों में सिंचाई बकाया 7,84,720 हेक्टेयर बताया गया था। इसमें से 7,81,185 हेक्टेयर, यानी 94 प्रतिशत, सिंचाई बकाया जून 2025 के अंत तक पूरा कर लिया गया है। अकोला और बुलढाणा में अभी भी 43,535 हेक्टेयर सिंचाई बकाया है। मंत्री ने राज्य परिषद को बताया कि सरकार केंद्र की प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, बलिराजा जलसंजीवनी योजना, नाबार्ड के ग्रामीण अवसंरचना विकास कोष के तहत ऋण और आंशिक अनुदान के माध्यम से लंबित सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने के लिए धन उपलब्ध करा रही है।यह धन राज्य के राज्यपाल द्वारा तैयार किए गए निधि वितरण सूत्र और राज्य की वित्तीय स्थिति के अनुसार प्रदान किया जा रहा है।

संपर्क कार्याल : रोहिरा हाउस फ्लैट नो 8 दूसरा माला पाकीजा बेकरी के सामने कैडल रोड माहिम पश्चिम मुंबई ४०००१६
मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com